मूसलाधार बारिश से शहर तरबतर, निचली बस्तियों में घुसा पानी

जिले भर के नदी नाले उफनाए,घण्टों मार्ग रहा अवरूध , शहर की सड़कें तालाब में हुई तब्दील, बाइक और छोटे वाहनों को उठानी पड़ी समस्या

नवभारत न्यूज

छिंदवाड़ा,5 जुलाई. शहर में रविवार को मानसून ने जोरदार दस्तक दी। सुबह बादलों के भीतर सूर्यदेव आंख मिचैली खेल रहे थे, लेकिन करीब दो से तीन घंटे तक बनी उमस ने लोगों का हाल-बेहाल कर दिया। इसके बाद लगभग 11 बजे अचानक मौसम ने करवट ली और तेज गर्जना, बिजली की चमक के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई।

करीब डेढ़ से दो घंटे तक लगातार हुई बारिश ने पूरे शहर को तरबतर कर दिया। मानसून की पहली तेज बारिश से जहां लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली, वहीं कई इलाकों में जलभराव की स्थिति भी बन गई।

बारिश के दौरान शहर की प्रमुख सड़कों सहित कई मोहल्लों में पानी भर गया। नालियों का पानी सड़कों पर आ गया, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर जल निकासी की व्यवस्था कमजोर होने के कारण पानी देर तक जमा रहा। निचली बस्तियों में हालात अधिक खराब रहे, जहां बारिश का पानी कई घरों में घुस गया। घरों में पानी भरने से लोगों का घरेलू सामान भी भीग गया। प्रभावित परिवार बाल्टियों और मोटरों की मदद से घरों के अंदर घुसे पानी को निकालते नजर आए।लगातार हुई बारिश से शहर के आसपास के नदी-नाले भी उफान पर आ गए। तेज बहाव के चलते प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों के पास नहीं जाने की अपील की। कई छोटे पुल-पुलियों पर पानी बहने से आवागमन भी कुछ समय के लिए प्रभावित रहा।हालांकि शहर में जलभराव ने लोगों की परेशानी बढ़ाई, लेकिन किसानों के लिए यह बारिश किसी सौगात से कम नहीं रही। लंबे समय से अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के चेहरों पर पहली मानसूनी बारिश के बाद खुशी साफ दिखाई दी। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार यह बारिश खरीफ फसलों की बुवाई के लिए बेहद लाभदायक साबित होगी। खेतों में पर्याप्त नमी आने से धान, सोयाबीन, मक्का, उड़द और मूंग जैसी फसलों की बुवाई में तेजी आएगी। जिन किसानों ने पहले ही बुवाई कर दी थी, उनकी फसलों के अंकुरण के लिए भी यह बारिश काफी लाभकारी मानी जा रही है। इससे सिंचाई पर होने वाला अतिरिक्त खर्च भी कम होगा।

मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में भी मानसून सक्रिय रहने की संभावना है और क्षेत्र में अच्छी बारिश का दौर जारी रह सकता है। पहली ही जोरदार बारिश ने जहां शहर की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी, वहीं किसानों के लिए बेहतर कृषि सीजन की उम्मीद भी जगा दी है..

ताबाल में तब्दील हुआ चारफाटक

बारिश के चलते चारफाटक ब्रिज के चीने सड़क पर पानी भरने से तालाब की स्थिति निर्मित हो गई। हालात यह रहे कि तकरीबन एक फिट पानी भर गया। वाहन चालकों को यहां से निकलने में अच्छी खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश बंद होने के बाद भी तकरीबन एक घंटे तक यहां पानी भरा रहा। यहां यह स्थिति हर साल बनती है। यहां पानी निकासी के कोई प्रबंधन नहीं किए है।

झील मोहल्ले के घरों में घुसा पानी

झील मोहल्ले में यहा सालों पुरानी समस्या बनी हुई है। यहां भी बारिश के कारण लोगों के धरों में पानी घुस गया। घरों की सामग्री गीली हो गई। लगातार हो रही बारिश ने लोगों को और भी परेशानी में डाल दिया। यहां पानी निकालने के लिए लोगों को काफी मशक्कत करना पड़ी। परिवार के महिला पुरूष से लेकर बच्चे पानी निकालने में जुटे रहे। तकरीबन दो से तीन घंटे के बाद लोगों को राहत मिल पाई।

गणेश मोहल्ले बना तलैया

इधर गणेश मोहल्ले के बुरे हाल रहे। सड़कों पर पानी भरने से तलैया जैसी स्थिति निर्मित हो गई। आसपास गली मोहल्ले के निचले घरों में पानी घुसने से लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ा। बारिश ऐसी कि रूकने के नाम नहीं ले रही थी। बारिश बंद होने के बाद लोगों ने घरों के अंदर भरे पानी को मशक्कत के बाद बालटी और अन्य बर्तनों से खाली किया।

जेल बगीचा के सामने सड़क बनी तालाब

शहरों में अन्य सड़कों के साथ साथ जेल बगीचे के सामने सड़क में पानी भरने की समस्या आज से नहीं सालों से बनी हुई है। अभी तक इस समस्या ने निपटने विभाग ने कोई पुख्ता कदम नहीं उठाए है। बारिश के कारण यहां सड़क में तकरीबन एक से डेढ़ फिट पानी भर गया। वाहनों को आवागमन बंद हो गया। चौपहिया वाहनों के अलावा यहां से अन्य वाहन नहीं निकले। चालकों को अन्य रास्तों ने अपने वाहने ले जाने पड़े।

नाले में आई बाढ़ का पानी घरों में धुसा

चौकसे कालोनी के पीछे नाले में मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ आ गई। बाढ़ का पानी नाले के समीप मकानों में घुस गया। यहां के रहवासियों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ा। जैसे जैसे मूसलाधार बारिश हो रही थी। नाले के समीप रहवासियों की समस्या बढ़ते जा रही थी। नाले के कारण लोगों को जहरीले कीड़े मकोड़ों का भय भी सता रहा था। बारिश बंद होने के बाद लोग घरों के अंदर घुसा पानी खाली करते नजर आए।

सीवरलाइन का पानी सड़कों पर

बारिश के कारण सीवरेज लाइन की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए है। राजपाल चौक में सीवरेज लाइन में बारिश का पानी भरने से गंदगी सड़कों पर आ गई। जल भराव के साथ गंदगी के कारण लोगों को बदबू के कारण हाल-बेहाल रहे। यह स्थिति तकरीबन एक से डेढ़ घंटे बनी रही। बारिश बंद होने के बाद भी सड़कों पर भरा पानी से आवागमन बाधित रहा। बाइक ऑटो को निकलने में मशक्कत करना पड़ी।

सीएम स्कूल जाने वाली सड़क उखड़ी

पहली बार मूसलाधार बारिश में सड़क निर्माण की पोल खोल कर रख दी है। इस बारिश के कारण सनराइज स्कूल की ओर जाने वाली सड़क बारिश में जगह-जगह से बह गई है। सड़क में गड्ढे उभर आए है। गड्ढों में पानी भरने से बाइक और ऑटो चालकों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा हैं। वही सबसे ज्यादा परेशानी साइकल से आने वाले बच्चों को हो रही है। जो गड्ढों का शिकार होकर चोटिल हो रहे है। लोगों का कहना है कि ऐसे में आने वाले बारिश में यह समस्या और भी विकराल हो सकती है। विभाग को तत्काल सड़क की मरम्मत करवाना चाहिए।

बारिश के बाद लौटी रौनक

इधर मूसलाधार बारिश के कारण सड़कें सुनसान हो गई थी। बारिश से बचने लोगों ने यहां वहां दुकानों और इधर उधर टीन शेड का सहारा लिया। बारिश बंद होने के कुछ देर बार बारिश फिर शुरू हो गई। इसके बाद बूंदा-बांदी होते रही। तकरीबन चार से पांच बजे के आसपास बारिश रूकने के बाद सड़कों पर रौनक लौट आई। इस दौरान लोगों ने चटपटे व्यंजनों और भुट्टे का लुत्फ उठाया।

पहली ही बारिश में डूबा पिंडरईकला सरकारी अस्पताल

जलभराव से मरीज बेहाल, गर्भवती महिला को करना पड़ा रेफर

नवभारत न्यूज

छिंदवाड़ा,5 जुलाई. जिले के पिंडरईकला स्थित शासकीय अस्पताल में भारी बारिश के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर लापरवाही उजागर हो गई। पहली ही तेज बारिश में अस्पताल के वार्डों, उपचार कक्षों और अन्य कमरों में पानी भर गया, जिससे मरीजों, उनके परिजनों और अस्पताल स्टाफ को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

जलभराव के कारण अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रभावित हुईं और इलाज की व्यवस्था पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गई।

अस्पताल परिसर में बारिश

का पानी भर जाने से मरीजों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। वार्डों के भीतर पानी जमा होने से संक्रमण फैलने की आशंका भी बढ़ गई है। सबसे गंभीर स्थिति तब बनी जब एक गर्भवती महिला को आवश्यक उपचार नहीं मिल सका। अस्पताल में समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण उसे बिना इलाज के जिला अस्पताल रेफर करना पड़ा, जिससे परिजनों में चिंता और नाराजगी देखने को मिली स्थानीय लोगों का आरोप है कि पिंडरईकला अस्पताल में हर वर्ष बारिश के दौरान इसी तरह की स्थिति बनती है। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण थोड़ी सी बारिश में ही अस्पताल परिसर तालाब का रूप ले लेता है। कई बार शिकायतें किए जाने के बावजूद संबंधित विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है।क्षेत्रवासियों का कहना है कि अस्पताल जैसी महत्वपूर्ण संस्था में इस प्रकार की अव्यवस्था बेहद चिंताजनक है। उनका मांग है कि अस्पताल परिसर में जल निकासी की प्रभावी व्यवस्था की जाए और भवन की मरम्मत कर ऐसी समस्याओं का स्थायी समाधान किया जाए, ताकि भविष्य में मरीजों को इलाज के दौरान इस तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े।

इस घटना ने एक बार फिर ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति और प्रशासनिक लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्र के लोगों ने जिम्मेदार अधिकारियों से तत्काल निरीक्षण कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने की मांग की है।

सर्पदंश से मासूम की मौत

छिंदवाड़ा। देहात थाना क्षेत्र में रहने वाली एक मासूम की सर्पदंश से मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। जानकारी अनुसार अमन नित्या पिता अजय नागले उम्र 2 साल खिरसाडोह की रहने वाली है। उसके पिता पेशे से ड्राइवर है। रात के दौरान पूरा परिवार जमीन पर सो रहा था। इस दौरान देर रात में बच्ची को सांप ने काट लिया। सांप के काटने से बच्ची ने रोना शुरू कर दिया। जिससे उसके माता-पिता उठ गए। बिस्तर से भाग रहे सांप को उन्होंने देखा। उनके रोंगटे खड़े हो गए। परिजनों ने गुस्से में आकर सांप का मार दिया। उसके बाद मासूम को लेकर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद पीएम कर शव परिजनों को सौंप दिया।

आनंद सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की नई शाखा का भव्य शुभारंभ

11 वर्षों के भरोसे के साथ नागपुर रोड पर शुरू हुआ आधुनिक सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, छिंदवाड़ा को मिली अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की नई सौगात

नवभारत न्यूज

छिंदवाड़ा,5 जुलाई. जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाई देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आनंद हॉस्पिटल अपनी नई शाखा आनंद सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का शुभारंभ 5 जुलाई को नागपुर रोड स्थित ईएलसी चर्च के सामने सुबह किया गया।

इस अवसर पर पिछले 11 वर्षों से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अपनी पहचान बना चुके आनंद हॉस्पिटल का यह नया संस्थान आधुनिक चिकित्सा तकनीक, अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों और अत्याधुनिक स्वास्थ्य अधोसंरचना के साथ जिलेवासियों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराएगा।

अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि नई शाखा का उद्देश्य मरीजों को महानगरों जैसी स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना है, ताकि गंभीर एवं जटिल बीमारियों के इलाज के लिए उन्हें दूसरे शहरों का रुख न करना पड़े। आधुनिक मशीनों, प्रशिक्षित मेडिकल स्टाफ और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम के साथ यह अस्पताल जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को और मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।

एक ही छत के नीचे मिलेगी सभी सुविधाएं

आनंद सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में मरीजों को एक ही परिसर में विभिन्न विशेषज्ञ विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। अस्पताल में मेडिसिन, स्त्री एवं प्रसूति रोग, शिशु रोग, ऑर्थोपेडिक्स एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट, जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, नेत्र रोग, यूरोलॉजी, त्वचा एवं यौन रोग, न्यूरोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, पल्मोनोलॉजी, नेफ्रोलॉजी तथा नाक, कान एवं गला (ईएनटी) सहित कई सुपर स्पेशलिटी विभाग संचालित किए जाएंगे। इससे मरीजों को अलग-अलग अस्पतालों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी और उन्हें समग्र चिकित्सा सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी। जिसमें 24 घंटे आपातकालीन सेवाओं की सुविधा रहेगी। वही अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम सेवाएं 24 घंटे उपलब्ध रहेगी। प्रबंधन का कहना है कि बेहतर स्वास्थ्य अधोसंरचना पर विशेष ध्यान दिया जाता है। जिसके कारण 11 वर्षों का भरोसा मिलते आ रहा है। अब इस अस्पताल के खुल जाने से और बेहतर सुविधाएं मरीजों को प्राप्त होंगी।

भ्रष्टाचार सफेदपोशों के इशारे पर सरकारी नियमों को ताक पर रख कर चहेती फर्म को किया बंपर भुगतान

ग्राम पिल्हावाड़ी में मद बदलकर सरकारी खजाने में सेंध !

नवभारत न्यूज

छिंदवाड़ा/ जुन्नारदेव,5 जुलाई. सरकारी विभागों में नियमों की कागजी जुगलबंदी और जमीनी स्तर पर जनता के पैसे की बंदरबांट का एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने प्रशासनिक शुचिता के दावों की धज्जियां उड़ा कर रख दी हैं। जुन्नारदेव जनपद पंचायत के तहत आने वाली ग्राम पंचायत पिल्हावाड़ी में एक सामुदायिक भवन के निर्माण में ऐसा अद्भुत वित्तीय खेल खेला गया है, जिसके शासकीय दस्तावेज अब खुद चीख-चीख कर भ्रष्टाचार की गवाही दे रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि इस पूरे खेल में जितनी मुस्तैदी पंचायत सचिव और तकनीकी अमले के तात्कालीन उपयंत्री ने दिखाई, उतनी ही रहस्यमयी खामोशी जनपद के आला अधिकारियों ने अख्तियार कर रखी है। क्षेत्र में यह चर्चा जोरों पर है कि बिना किसी कद्दावर सफेदपोश नेता के संरक्षण के, एक योजना की प्रशासनिक स्वीकृति को दूसरी योजना में दर्ज कर लाखों का वारा-न्यारा करना मुमकिन ही नहीं है। नेताओं की शह पर अफसरशाही ने ऐसा जाल बुना कि नियम कायदे ताक पर धर दिए गए ओर खुलेआम नियमो की धज्जिया अधिकारियो के नाक के नीचे उड़ाई गई ।

क्या है पूरा घालमेल? दर्पण ने दिखाया असली चेहरा

दरअसल, मध्य प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग भोपाल के आदेश क्रमांक 836/2025/20148 दिनांक 12.11.2025 के मुताबिक, पिल्हावाड़ी में सामुदायिक भवन निर्माण का पूरा खर्च योजना क्रमांक - 4610 अतिरिक्त स्टाम्प शुल्क वसूली के तहत होना तय हुआ था। बकायदा कंडिका 4.21 में स्पष्ट लिखा था कि यह पैसा किसी और मद में व्यय नही किया जाएगा। लेकिन शासकीय पोर्टल के शासकीय आंकड़े बताते हैं कि जमीनी जादूगरों ने इस विशेष अनुदान मद को दरकिनार करते हुए, इस पूरे काम को राज्य वित्त आयोग की निधि में भी पंजीकृत कर भुगतान भी कर डाला। यानी एक ही योजना, एक ही प्रशासनिक स्वीकृति क्रमांक 20148, लेकिन दो अलग-अलग वर्क आईडी।

अंधेर नगरी - चौपट राजा, कटघरे में जिम्मेदार

सीईओ (जनपद) की भूमिका पर भी सवाल शासन के आदेश की कंडिका 4.3 व 4.21 और 4.27 ने साफ तौर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी (जनपद) को नियमों के पालन की जिम्मेदारी सौंपी थी। कंडिका 4.27 के तहत निर्माण कार्य का नियमित निरीक्षण और वित्तीय पर्यवेक्षण करना अनिवार्य था, जिसमें अधिकारी पूरी तरह नाकाम रहे। इतने बड़े वित्तीय घालमेल और गलत मद से ?12.49 लाख से अधिक की राशि का आहरण हो जाना और जनपद सीईओ को भनक तक न होना, उनकी प्रशासनिक अक्षमता और कर्तव्यहीनता को दर्शाता है।वहीं शासन के पत्र के अनुसार इस पूरे कार्य के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार अधिकारी वातानुकूलित कमरों में फाइलों पर दस्तखत करते रहे और उनकी नाक के नीचे मद बदल दिया गया। क्या यह सिर्फ लापरवाही है या फिर मौन स्वीकृति? वही जमीनी स्तर पर उपयंत्री भी पीछे नही रहे यह संभव ही नही है कि बिना उपयंत्री के तकनीकी मूल्यांकन ओर मार्गदर्शन और सरपंच- सचिव की मिलीभगत के ईपीओ जारी होना लगभग असंभव है। बिना कार्यस्थल पर सूचना बोर्ड (कंडिका 4.8 का उल्लंघन) लगाए, आनन-फानन में जनवरी के महीने में तात्कालीन इंजीनियर के ले आउट देते ही ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव द्वारा सतपुड़ा हार्डवेयर को ईपीओ क्रमांक 3734585 दिनांक 16 जनवरी 2026 के जरिए बिना कार्य के ही लगभग 11 लाख रुपये का बंपर भुगतान कर दिया गया?

अधिकारियो की मिलीभगत से मामले को दबाने की कोशिश?

सूत्रों की मानें तो इस पूरे मामले की शिकायतें ऊपरी स्तर तक न पहुंचे, इसके लिए क्षेत्र के कुछ तथाकथित नेता कर्मचारी भी पर्दे के पीछे से एक्टिव हैं। जांच को प्रभावित करने और मामले को ठंडे बस्ते में डालने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों पर कथित रूप से राजनीतिक दबाव भी बनाया जा सकता है। प्रशासनिक आदेशों का इस तरह उपेक्षापूर्ण उल्लंघन न केवल सरकारी खजाने का दुरुपयोग है, बल्कि यह उच्च अधिकारियों के निर्देशों को सीधा ठेंगा दिखाने का मामला है। बहरहाल, सरकारी खजाने की इस खुली लूट के बाद अब क्षेत्र की जनता ने सीधे जिले के संवेदनशील कलेक्टर और जिला पंचायत प्रशासन से इस मामले का संज्ञान लेकर तत्काल कार्य को रोककर इसकी उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच की मांग की है साथ ही दोषी लापरवाह अधिकारियों, ग्राम पंचायत सचिव, सरपंच और जिम्मेदार अधिकारियों से इस 12,49,870 की अवैध भुगतान की रिकवरी (वसूली) की जाए।

इनका कहना है...

शासन द्वारा आदेशित स्वीकृत योजना से ही भुगतान करने के कड़े नियम हैं। किसी भी परिस्थिति में मद परिवर्तन कर भुगतान नहीं किया जा सकता। यह मामला अभी आपके माध्यम से मेरे संज्ञान में आया है। मैं इसकी फाइल बुलवाकर पूरी जांच करवाता हूँ। **अमित दुबे, सहायक यंत्री, जनपद कार्यालय जुन्नारदेव**

IPS COLLEGE
B.Sc. Elg. 12th with Bio BIOINFORMATICS
University Research Centre Biotechnology
ESTD-2001 Serving the Education for the Past 26 Year
B.Sc. Honours/M.Sc. MICROBIOLOGY with Industry Ready Program
B.Sc. Honours/M.Sc. BIOTECHNOLOGY with Industry Ready Program
B.Sc. Elg. 12th with Bio Honours with Research
B.B.A. Honours AICTE APPROVED COURSE
B.C.A. / M.Sc. CS (MCU)
B.Sc. Maths / B.Sc. Biology (Honours)
B.Com. Honours / M.Com.
B.A. Honours / B.A. Computer
In front of S.A.F. Gate Parasia Road Chhindwara
97528-80383 97533-04877
College Code - P-140
www.ipschw.com

आरोग्य मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
इमरजेंसी सेवा, कार्डियक सेंटर एवं एक्सीडेंटल केयर, लेप्रोस्कोपिक एवं नजरल सर्जरी
आयुष्मान कार्ड के अंतर्गत निः शुल्क
एन्जियोग्राफी एवं एन्जियोप्लास्टी
हार्ट अटैक व सभी हृदय रोगों के उपचार की सुविधा प्रतिदिन उपलब्ध।
संपर्क करें- 6262640426, 8770507313, 9425845455
पता- पूजा लॉज के आगे परासिया रोड, छिंदवाड़ा (म.प्र.)

मानवता हॉस्पिटल
समर्पित सेवा भाव
मल्टीस्पेशिलिटी
डॉ. बबीता ठाकुर
एम.बी.बी.एस., एम.एस., प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग से संबंधित सारी सुविधाएं, नॉर्मल एवं सिजेरियन डिलीवरी एवं बच्चेदानी का ऑपरेशन उचित दामों पर।
डॉ. आशुतोष सिन्हा
एमबीबीएस एफएमजी, एमडी फिजिशियन (कंसल्टेंट फिजिशियन)
उपलब्ध सुविधाएं :- आकस्मिक चिकित्सा, आई.सी.यू., क्रिटिकल केयर ऑपरेशन, लेप्रोस्कॉपी, एक्सरे, पैथोलॉजी लैब, ट्रामा और एक्सीडेंट केयर एवं अन्य सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध। 24/7 EMERGENCY SERVICES
पता:-भुवनेश्वर टॉवर, परासिया नाका, छिंदवाड़ा (म.प्र)
संपर्क करें- 07162-359522, 7974426766

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा. लि. के लिये मुद्रक, प्रकाशक आशीष श्रोती द्वारा हितकारिणी, प्रिंटिंग प्रेस सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित एवं गुजराती समाज भवन, नई आबादी छिंदवाड़ा से प्रकाशित । संपादक क्रांति चतुर्वेदी । * फोन- 235677,235988 E-mail-nbchh123@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत जिम्मेदार RNI Reg. No. MPHIN/2000/2589